B. A. History Hon's, Part-I
Paper: II, Unit-II, Date: 21.09.2020 Lecture No: 19
Lession: भौगोलिक खोज

जब कभी भी हम किसी जगह, प्रदेश की राजनीतिक या भौतिक सीमाओं की बात करते हैं या किसी स्थलाकृति, जनसंख्या, जलवायु आदि को दर्शाने की बात करते हैं, तो हम मानचित्र अथवा नक्शे का सहारा लेते हैं। क्या आप जानते हैं कि मानचित्र की उत्पत्ति कैसे हुई, मानचित्र कितने प्रकार के हैं और इनकी क्या उपयोगिता है?

मानचित्र को अँग्रेजी में मैप (Map) और उर्दू में नक्शा कहा जाता है। "मैप" शब्द मध्यकालीन लैटिन "मापा मुंडी" से आता है, जहाँ "मापा" का मतलब नैपकिन या कपड़ा है और "मुंडी" का मतलब दुनिया है। इस प्रकार "नक्शा" दुनिया की सतह के द्विआयामी स्वरूप को दर्शाने वाला शब्द बन गया। मैपों का अस्तित्व संभवतः 8000 साल से भी पहले का है। नक्शा बनाने की विधियों को प्राचीन ग्रीस में काफी उन्नत बनाया गया था। नक्शे के इतिहास की शुरुआत में रॉक नक्काशियों से बनाए गए ग्रीस, बेबीलोन और एशिया के प्राचीन नक्शे शुमार है।

17वीं से 19वीं सदी के दौरान, नक्शे और अधिक सटीक और तथ्यात्मक हो गए। प्रथम विश्वयुद्ध के बाद, हवाई फोटोग्राफी के व्यापक उपयोग से नक्शे बनाने की प्रक्रिया में काफी मदद मिली।

स्थलाकृतिक नक्शे: आधुनिक नक्शों में एक स्थलाकृतिक नक्शे की विशेषता बड़े पैमाने पर विस्तार एवं मात्रात्मक ऊँचाई है। एक समोच्च रेखा बराबर ऊँचाई के स्थानों को जोड़ने के लिए एक लकीर है।

नक्शानवीसी: सपाट सतह पर पृथ्वी को दर्शाना तथा इसके अध्ययन एवं निरूपण की प्रक्रिया को नक्शानवीसी या नक्शा बनाना कहते हैं और जो व्यक्ति इस कार्य को करता है, उसे नक्शानवीस कहा जाता है। ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी के प्रदेशों को मजबूत करने में मदद करने के लिए 1767 में स्थापित की।

नक्शे का प्रकार: प्रायः नक्शे अग्रलिखित प्रकार के हो सकते हैं, जलवायु नक्शे, भौतिक नक्शे, राजनीतिक नक्शे, सड़क के नक्शे, विषयगत नक्शे, मौसम के नक्शे, ऊँचाई के नक्शे और विश्व नक्शा। एक ही साइज के के विभिन्न प्रकार के नक्शों का संकलन एटलस कहलाता है।

नक्शों के उपयोग: नक्शे सभी के लिए उपयोगी हैं, चाहे वो कोई आम आदमी हो या कोई टेक्नोक्रेट। नक्शे आम तौर पर कई कार्यों के लिये इस्तेमाल किए जाते हैं जैसे विश्लेषण संचालन एवं नेवीगेशन, नियंत्रण और योजना सजावट, निवेश, अन्वेषण, परिकल्पना प्रोत्साहन एवं ऐतिहासिक संदर्भ। उत्पाद परिभाषित करना, डिजाइन, डेटा प्राप्त करना, नक्शा उत्पादन, जाँच और प्रूफिंग, अन्तिम उत्पादन आदि।

नक्शों को कैसे समझें: नक्शों को प्रभावी ढंग से प्रतीकों, निर्देशों, रेखाओं और लेजेंड आदि समझने की आवश्यकता होती है। कम्पास पढ़ना, नक्शा स्केल, अक्षांश और देशांतर, ऊँचाई की रेखाएँ, मुद्रा लेख या कुंजी, मैपस विशेष वस्तुओं को विशेष प्रतीकों से दर्शाते हैं।

नक्शा बनाने के लिए उपकरण: नक्शा बनाने के लिए उपकरण बाजार में उपलब्ध है जैसे कि आर्कजीआईएस/क्यूजीआईएस, मापविलयर, मौसम, शेयर उद्धरण, समय, खेल-स्कोर, मुद्रा रूपांतरण, कैलकुलेटर, संख्यात्मक प्रणालियाँ, शब्दकोश अनुसंधान, रीयल इस्टेट और आवासन, यात्रा डेटा, नक्शे, मूवी शोटाइम, सार्वजनिक डाटा,

पैकेज की खोज, पेटेंट नंबर, क्षेत्र कोड, पर्याय खोज, अमेरिकी सरकार खोज आदि।

"परिभाषित करें" उपसर्ग वाले प्रश्न के बाद लिखे गये सूचीबद्ध शब्दों को यह परिभाषा प्रदान होगा।

स्टाक :- स्टॉक के बाद टिकर के लिए प्रश्न के शब्द स्टॉक टिकर प्रतीकों के रूप में माने जाते हैं।

साइट : "साइट कॉम" का विकल्प "com" के नाम वाले सभी डोमेन यूआरएल को खोजेगा।

ऑलइनटाइटल : केवल पृष्ठ के शीर्षक ही खोजे जाते हैं, शीर्षक देना : एक वेबपेज शीर्षक में खोज में उपसर्ग लगाने "गूगल" शब्द के साथ सर्वाधिक पृष्ठ प्रदर्शन विकल्प : कैश : कैश सामग्रियों में खोज के शब्दों को प्रमुखता देना।

कड़ी : उपसर्ग "लिंक" से उन वेबपेजों की सूची दिखायेगी।

संबंधित : उपसर्ग "रिलेटेड" उन वेबपेजों की सूची बनायेगा।

गूगल कैफीन : अगस्त 2009 में गूगल ने एक नई खोज प्रणाली की घोषणा की जिसे कूट नाम "कैफीन" था। 8 जून 2010 को गूगल ने कैफीन के पूरा होने की घोषणा करते हुए यह दावा किया कि अपनी अनुक्रमणिका को निरंतर अद्यतन करते रहने के कारण 50% नये परिणाम दिखे।

कोडपरिवर्तित खोज : मई 2010 में गूगल ने एसएसएल-कोडपरिवर्तित वेब खोज को जारी किया।

त्वरित खोज : एक संवर्द्धन, गूगल त्वरित, जो उपयोगकर्ता द्वारा टाइप किये जाने के समय परिणाम सुझाता है, 8 सितम्बर 2010 को अमेरिका में शुरु किया गया। गूगल त्वरित हर खोज में उपयोगकर्ताओं का 2-5 सेकेण्ड समय बचाता है, हर खोज पर प्रति घंटे 11 लाख सेकेण्ड बताते हैं। पंडितों का अनुमान है कि गूगल त्वरित का स्थानीय और भुगतान वाली खोज पर एक बड़ा प्रभाव पड़ेगा।

अन्तराष्ट्रीय : गूगल कई भाषाओं में उपलब्ध है और उन कई और देशों के लिए स्थानीयकृत किया गया है। भाषाएँ-

अरबी	संयुक्त राज्य अमेरिका	इटालियन	माओरी	रूस
बंगाली	फिलिपिनो	कजाख	मोल्डावियन	सर्बो
बिहारी	फिनिश	किन्यारवांडा	रोमानियन	क्रोएशन
ब्रेटन	फ्रिसियन	कोरियन	मोंटेनेग्रिन	सेन्टल

डोमेन नाम : मुख्य यूआरएल google.com के अलावा, गूगल इंक प्रत्येक देशों/क्षेत्रों के 160 डोमेन नामों का स्वामित्व रखता है, जो स्थानीकृत किये गये हैं।

खोज उत्पादन : मुख्य लेख वेबपेज खोजने के अपने उपकरण के अतिरिक्त, गूगल छवियों, यूजनेट समाचार समूह, समाचार वेबसाइटों खोज की सेवाएँ भी प्रदान करता है। 2006 में, गूगल ने 25 अरब वेब पेजों, प्रतिदिन 400 मिलियन प्रश्नों, 1.3 अरब छवियों तथा एक अरब से अधिक यूजनेट संदेशों को अनुक्रमित किया। न्यूज, गूगल सुझाव, गूगल उत्पाद खोज, गूगल नक्शे, पिकासा, यूट्यूब, गूगल अनुवाद खोज भी शामिल है।

☐ डॉ० शंकर जय किशन चौधरी
अतिथि शिक्षक, इतिहास विभाग
डी० बी० कॉलेज, जयनगर